एक नजर में

पाटील कुनबी समाज द्वारा नि:शुल्क आदर्श सामूहिक विवाह का आयोजन

बिस्टान, निप्र। बुधवार को बिस्टान पाटील कुनबी समाज कल्याण समिति द्वारा नि:शुल्क आदर्श सामूहिक विवाह का आयोजन संम्पन्न हुआ। विवाह आयोजन को लेकर समिति ने बताया कि उक्त सम्मेलन का 44 वा वर्ष है सम्मेलन में पांच परगना के समाज बन्धु शामिल हुए। जिसमें 16 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। आयोजन को लेकर समिति ने बताया कि गायत्री परिवार द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पाणी ग्रहण संस्कार और लग्न आचार्य दिपक बारवे, सौरभ भोरे, वीरेंद्र त्रिवेदी के द्वारा कार्यक्रम सम्पन्न करवाया गया। इस अवसर पर प्रत्येक जोड़े को समाज की ओर से पांच बर्तन उपहार स्वरूप भेंट किये गये। आयोजन को लेकर पाटील कुनबी समाज द्वारा विवाह आयोजन में सर्व समाज के अध्यक्षजनो को भी आमंत्रित किया गया था। समाज जनो द्वारा भी कन्याओं को सामग्री भेंट की गई। इस अवसर पर कुनबी समाज के युवाओं द्वारा वरिष्ठ समाज सेवियों का सम्मान किया गया।

प्रकाश भावसार को भारतीय पत्रकार संघ का जिला अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया

बिस्टान, निप्र। अनकवाड़ी (बिस्टान) निवासी एवं पूर्व भाजपा जिला मीडिया प्रभारी प्रकाश भावसार को भारतीय पत्रकार संघ का जिला अध्यक्ष पद पर मनोनीत करने पर पत्रकार साथियों द्वारा खुशी व्यक्त की गई। तहसील पत्रकार संघ बिस्टान के अध्यक्ष सुभाष टांके, दिनेश गुप्ता, राजेश नागर, अजय गुप्ता, यशवंत गुप्ता, जितेंद्र गुप्ता, अरविंद जायसवाल, शशांक त्रिवेदी, भाजपा बिस्टान मंडल के मीडिया प्रभारी राजेश मालवीया आदि द्वारा नवनियुक्त जिला अध्यक्ष प्रकाश भावसार को बधाई दी है।

पीजी कॉलेज में विधिक साक्षरता शिविर, विद्यार्थियों को दी कानूनी जानकारी

खरगोन, निप्र। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा

प्राधिकरण मण्डलेश्वर के मार्गदर्शन एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुश्री प्रीति जैन के समन्वय से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरगोन में 12 फरवरी को विधिक साक्षरता/जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री चन्द्रेश मण्डलोई ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि हर व्यक्ति के जीवन में शिक्षा का बहुत बड़ा महत्व होता है। विद्यार्थियों को अपने जीवन में शिष्टाचार अवश्य सीखना चाहिए, क्योंकि हमारा व्यवहार हमें एक बेहतर इंसान बना सकता है। प्रत्येक नागरिक को कानून की जानकारी होना चाहिए, जो विधिक सेवा द्वारा आम जन को कानूनी रूप से साक्षर बनाती है। जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री मण्डलोई ने बताया कि विधिक सेवा जरूरतमंद लोगों को मुफ्त कानूनी सहायता एवं सलाह प्रदान करती है। प्रत्येक व्यक्ति को संवैधानिक अधिकारों एवं दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। विशेष रूप से छात्राओं को पॉक्सो एक्ट की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि घूरकर बुरी नियत से देखना, पीछा करना, सोशल मीडिया पर फॉलो करना या अश्लील कमेंट्स करना अपराध की श्रेणी में आता है। यदि ऐसी कोई घटना होती है तो पुलिस में शिकायत अवश्य करनी चाहिए, क्योंकि पुलिस आम जनता एवं पीड़ितों की मदद के लिए सदैव सजग एवं सहयोगी रहती है। इसके अलावा, पीड़ित प्रतिकर योजना के अंतर्गत पीड़ित महिलाओं को सरकार द्वारा पुनर्वास, मेडिकल एवं क्षतिपूर्ति सहायता प्रदान की जाती है। शिविर में नालसा की नशा मुक्ति योजना, बाल विवाह, बाल श्रम, बेघर बच्चों की पहचान कर उनका बचाव एवं समुचित पुनर्वास, नालसा की हेल्पलाइन नंबर 15100 एवं नालसा (तस्करी और वाणिज्यिक यौन शोषण पीड़ितों के लिए विधिक साक्षरता शिविर) योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। शिविर में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेश वास्कले, प्राध्यापक डॉ. राजेंद्र चौहान एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं।

केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ सड़क पर उतरे ट्रेड यूनियन से जुड़े कर्मचारी

खरगोन, निप्र। केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ गुरुवार को विभिन्न ट्रेड यूनियनों से जुड़े कर्मचारियों ने हड़ताल का रुख अख्तियार किया। हालांकि कार्यालय खुले रहे लेकिन कर्मचारियों के नहीं होने से बैंकिंग और बीमा क्षेत्र की सेवाएं प्रभावित रहीं। यूनियन से जुड़े संगठन के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने गुरुवार को राधावल्लभ मार्केट परिसर में मांगों के समर्थन में नारेबाजी कर प्रदर्शन भी किया। प्रदर्शन में शामिल रजत वर्मा, अविनाश बड़ोले एवं किशोर ठाकुर आदि ने बताया कि बैंकों, एलआईसी और जीआईसी में निजीकरण एवं विनिवेश बंद करने, आईडीबीआई बैंक को बेचने का निर्णय वापस लेने, बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत एफडीआई वृद्धि वापस लेने, सार्वजनिक क्षेत्र की सामान्य बीमा कंपनियों को एक इकाई में विलय करने, स्थायी रोजगार, आउटसोर्सिंग एवं ठेका प्रथा बंद करने एनपीएस खत्म करने, कार्पोरेट्स के बकाया/डूबे कर्ज की वसूली के लिए कड़े कदम उठाने जैसी मांगों को लेकर यह प्रदर्शन किया जा रहा है। कर्मचारियों की हड़ताल के चलते सुबह से ही कई बैंक शाखाओं में नकद लेनदेन का काम बाधित रहा। शाखाएं खुली जरूर, लेकिन वहां केवल सीमित प्रशासनिक कार्य किए गए। जिससे ग्राहकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। लेन-देन के लिए बैंक पहुंचे लोगों को खाली हाथ लौटना पड़ा। हालांकि कियोस्क सेंटरों पर लेन-देन किया गया।

यूएस : इंडिया ट्रेड डील के प्रावधान पर जताई भारत कृषक समाज ने आपत्ति

विधायक सचिन यादव के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपकर राष्ट्रपति से की निरस्ती की मांग

नवभारत न्यूज

खरगोन, निप्र। अमेरिका- भारत अंतरिम व्यापार समझौते का विरोध सामने आया है। भारत कृषक समाज ने इस समझौते पर आपत्ति दर्ज कराते हुए विधायक सचिन यादव के नेतृत्व में राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर इस समझौते को निरस्त करने की मांग की है। गुरुवार शाम विधायक यादव सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता और भारत कृषक समाज से जुड़े सदस्य कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां विधायक यादव ने ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि यूएस- इंडिया ट्रेड डील भारत की अर्थ व्यवस्था व भारतीय किसानों के हितों से समझौता है। सरकार ने दबाव में आकर यह समझौता किया है। भारत कृषक समाज के प्रदेश अध्यक्ष अरुण

यादव के निर्देश पर हम सदस्य, भारत कृषक समाज जिला खरगोन के तत्वावधान में निवेदन करते हैं कि गत दिनों अमेरिका व भारत के मध्य हुआ, व्यापार करार एक तरफा अमेरिका के फायदे का है। संसद में चर्चा किए बिना हुए इस करार से भारतीय अर्थ व्यवस्था व मुख्य रूप से भारत के किसानों के साथ धोखा है। इससे भारतीय किसान बर्बाद हो जाएगा। भारत से अमेरिका भेजे जाने वाले उत्पादों पर अमरीका 18 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा, जो विगत वर्षों में लग रहे टैरिफ दरों से लगभग 6 गुना अधिक है और अमेरिका से जो उत्पाद भारत आएगा, उस पर भारत कोई टैरिफ नहीं लगाएगा, जीरो प्रतिशत टैरिफ। केंद्रीय कृषिमंत्री व व्यापार मंत्री गण कहते रहे हैं कि भारत का कृषि क्षेत्र पूर्णत: संरक्षित रहेगा, लेकिन भारत के किसानों के साथ धोखा हुआ है। सोयाबीन का आयात नहीं होगा, लेकिन सोया तेल का आयात होगा। मक्का का आयात नहीं होगा, लेकिन डेयरी में मक्के से बना केटल फीड डीडीजी का आयात होगा। अमरीका व्यापार मंत्रालय ने घोषणा की है अमेरिका के कृषि क्षेत्र को भारत का बाजार जीरो प्रतिशत टैरिफ पर उपलब्ध होगा, जिससे अमेरिका के किसानों को लाभ मिलेगा । विधायक यादव ने चिंता जताते हुए कहा कि इस निर्णय से भारत का किसान बर्बाद हो जाएगा। अमेरिका में 2 प्रतिशत लोग खेती करते हैं और औसत जोत 450 एकड़ प्रति किसान है। उस पर कृषि क्षेत्र को 60 प्रतिशत से अधिक सब्सिडी सरकार देती है। भारत में आज भी 50 प्रतिशत से अधिक आबादी खेती पर निर्भर है।औसत जोत 1 1.15 एकड़ है और बजट का मात्र 3 प्रतिशत सब्सिडी सरकार कृषि क्षेत्र को देती है। इन विषम परिस्थितियों में भारत का किसान अमेरिका के किसानों से कैसे प्रति स्पर्धा कर पाएगा । अमेरिका क 5 वर्षों में 500 बिलियन डॉलर अर्थात 40 लाख करोड़ का माल भारत भेजने का लक्ष्य है, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था बूरी तरह चौपट होने की आशंका है। संयुक्त किसान मोर्चा के देश व्यापी आंदोलन को भारत कृषक समाज सर्मिन करते हुए इस डील को निरस्त करने की मांग करता है। ज्ञापन का वाचन लखन पाटीदार ने किया। इस दौरान सुरेश चंदेल, राजेंद्र सिंह पंवार, जगदीश वानखेड़े, शाहरुख मिर्जा, लोभीराम कर्मा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे।

टंट्या मामा प्रतिमा खरीदी में भ्रष्टाचार करने वालों पर हो एफआईआर

खरगोन, निप्र। आदिवासी समाज की आस्था, अस्मिता और सम्मान के प्रतीक रॉबिनहुड क्रांति सूर्य टंट्या भील की बिस्टान नाके पर लगी प्रतिमा को लेकर विवाद फिर से गहराने लगा है। टेंडर विपरीत धातु या पत्थर के बजाय फाइबर की प्रतिमा लगाने का मामला उजागर होने के बाद से पिछले दो माह से आदिवासी समाज सहित विपक्षी दल कांग्रेस लगातार आंदोलनरत है। इस मामले में जयस ओर अन्य आदिवासी संगठनों ने दोषियों पर एफआईआर की मांग को लेकर आक्रोश रैली निकालने के साथ ही एसपी को ज्ञापन सौपकर कार्रवाई की मांग की थी। समाज ने चेतावनी दी है कि दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई नही होती है तो समाज उग्र आंदोलन को बाध्य होगा। इस मामले में जयस प्रदेश कोषाध्यक्ष राजेन्द्र पंवार सहित

जिला संरक्षक सुभाष डावर ने एएसपी बिट्टू सहगल से मुलाकात की। अपनी मांग का स्मरण पत्र सौपते हुए पदाधिकारियो ने नाराजगी जताते हुए कहा कि अब तक इस मामले में जिम्मेदार अधिकारी- कर्मचारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज नही की गई है। इससे समाज में आक्रोश पनप रहा है। संगठन के श्री पंवार ने बताया कि नगर पालिका परिषद ने जब टंट्या मामा की प्रतिमा चौराहे पर लगाई तो हर आदिवासी खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा था, लेकिन अब प्रतिमा के पीछे नगर पालिका परिषद का जो लालच सामने आया, उसने समाज की भावनाओं को न केवल आहत पहुंचाया बल्कि समाज के आदर्श देश के गौरव टंट्या मामा को भी अपमानित किया है। पदाधिकारियों ने चेतावनी दी है कि समाज और देश के गौरव को अपमानित करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों पर एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई नही होती है तो समाज आंदोलन को बाध्य होगा।

सनावद छोटी बाहेती कॉलोनी में प्रशासन की दोहरी लापरवाही

CM हेल्पलाइन पर फर्जी 'निराकरण' दिखाकर वास्तविक समस्या अनसुलझी

सनावद, निप्र। सनावद नगर की छोटी बाहेती कॉलोनी (डॉ. अधिकारी की गली के पास) में अवैध अतिक्रमण, नाली की गंदगी और स्पीड ब्रेकर की कमी जैसी समस्याओं पर नगरपालिका और पुलिस प्रशासन की लापरवाही अब चरम पर पहुंच गई है। निवासियों की बार-बार शिकायतों के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई, उल्टा ष्टरू हेल्पलाइन पोर्टल पर समस्या का 'समाधान' दर्शाकर फर्जीवाड़ा किया जा रहा है, जबकि सड़क पर अतिक्रमण वाली सीमेंट कुर्सियां बरकरार हैं, नाली बदबूदार बनी हुई है और स्पीड ब्रेकर का अमानक तरीके से निर्माण। यह ऑनलाइन शिकायत प्रणाली की बड़ी खामी को उजागर कर रहा है। शिकायत क्रमांक 36106166 ष्टरूहेल्पलाइन पर दर्ज है, लेकिन पोर्टल पर 'निराकृत' दिखाने के बावजूद वास्तविक स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया। 75 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक श्री सुभाष कोचर ने बताया, 'मैं उम्र के इस पड़ाव में नगरपालिका और

पुलिस थाने के चक्कर काट रहा हूं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं। अतिक्रमण हटाने, नाली साफ करने या स्पीड ब्रेकर हटाने का कोई प्रयास नहीं हो रहा। सब राम भरोसे छोड़ दिया गया है।' कॉलोनी के अन्य प्रभावित निवासी डॉ. अधिकारी, संजय पाटीदार, डॉ. मंडलोई, गौतम बेस और अन्य ने तीन महीने से अधिक पहले लिखित आवेदन दिए हैं। मुख्य नगरपालिका अधिकारी और सनावद पुलिस थाने में शिकायत दर्ज है। निवासियों के पास सभी कागजी दस्तावेज, आवेदन और प्रमाण उपलब्ध हैं। निवासियों ने सफाई अधिकारी हारून पर गंभीर आरोप लगाया है कि वे फोन नहीं उठाते और समस्या का कोई समाधान नहीं करते। एक निवासी ने कहा, 'प्रशासन की यह लापरवाही आम आदमी को परेशान करने का स्पष्ट संकेत है। जिम्मेदारी लेने वाला कोई नहीं - अगर परेशान है तो होने दो, यही रवैया लगता है।' निवासियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही अतिक्रमण हटाने, नाली सफाई कराने और स्पीड ब्रेकर हटाने की कार्यवाही नहीं हुई, तो वे पुलिस अधीक्षक (खरगोन) और जिला कलेक्टर को सभी कागजी प्रमाणों सहित ऑनलाइन शिकायत दर्ज करेंगे। वे मांग कर रहे हैं कि प्रशासन तत्काल संज्ञान ले और फर्जी समाधान दिखाने की बजाय वास्तविक समाधान करे।

कैंसर पीड़ितों के लिए चरक कॉलेज की अनूठी पहल

मंडलेश्वर, निप्र। चरक इंस्टिट्यूट ऑफ़ फार्मेसी महाविद्यालय मंडलेश्वर के प्रथम और चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों ने 4 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर टाटा मेमोरियल अस्पताल मुंबई के लिए दान अभियान चलाया इस अभियान का उद्देश्य कैंसर रोगियों की आर्थिक मदद करना व कैंसर के खिलाफ लड़ाई में योगदान देना था विद्यार्थियों ने चरक संस्था व पूरे मंडलेश्वर नगर से 21000 रुपए की राशि एकत्रित की और इसे टाटा मेमोरियल अस्पताल मुंबई जो कि कैंसर के उपचार और अनुसंधान का एक चैरिटेबल अस्पताल है उनके प्रतिनिधियों को सौंपी इस अभियान में मंडलेश्वर के व्यापारियों और दुकानदारों ने भी सहयोग दिया कॉलेज के विद्यार्थियों संस्थापक, प्राचार्य और फैकल्टी सभी का योगदान रहा इस अभियान में प्रो. अंजुला पाटीदार, प्रो. नवदीप जायसवाल, प्रो. विनीत शिवाने और प्रो. अमन कर्मा का मुख्य योगदान रहा। संस्था के द्वारा किए गए इस प्रयास को संस्था के चेयरमैन डॉ बद्री प्रसाद पाटीदार ने काफी सराहा व कहा कि यह हमारा निस्वार्थ प्रयास जरूरतमंदों को आवश्यक उपचार और देखभाल प्रदान करने में मदद

करेगा । संस्था के डायरेक्टर भगवान पाटीदार व प्राचार्य डॉ डी एस बेले ने कहा कि विद्यार्थियों के इस अच्छे काम से औरों को भी प्रेरणा मिलती है, और इस काम के लिए संस्था ने विद्यार्थियों द्वारा कैंसर पीड़ितों के लिए निस्वार्थ सेवा के लिए प्रशंसा की।

पेयजल संकट से जूझ रहे रहवासियों ने विधायक को सौंपा ज्ञापन

सनावद, निप्र। नगर के वार्ड क्रमांक -17 के पार्षद प्रतिनिधि सुनील माली के नेतृत्व में खानकाह क्षेत्र के रहवासियों ने विधायक सचिन बिरला से पेयजल समस्या के समाधान की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा और खानकाह क्षेत्र में पर्याप्त पेयजल आपूर्ति के लिए नवीन पाईपलाईन डालने की मांग की ।पार्षद प्रतिधि ने बताया कि वार्ड कमांक -17 इनपुन भोगांवा रोड, स्थित खानकाह क्षेत्र में 40 परिवार निवासरत हैं। लेकिन पेयजल नहीं मिलने के कारण ये परिवार

बड़ी कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। मुख्य नगरपालिका अधिकारी को 3 बार आवेदन देने के बावजूद खानकाह क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति हेतु नवीन पेयजल लाईन नहीं डाली जा रही है। खानकाह क्षेत्र के रहवासी पानी की समस्या को लंबे समय से परेशान हैं। उधर पार्षद दुर्गा माली ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आगामी गर्मी के मौसम में पेयजल संकट और गहरा जाएगा। पार्षद ने विधायक से मांग की है कि नगरपालिका के जल आपूर्ति विभाग के माध्यम से खानकाह क्षेत्र में तत्काल नवीन पाइप लाइन डाली जाए ।विधायक ने खानकाह क्षेत्र के रहवासियों की पेयजल समस्या को गंभीरता से लेते हुए जल आपूर्ति विभाग के अधिकारियों को पेयजल समस्या के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। इस दौरान शेख जाहिद,जाबिर अली, शाहिद खान, सऊद खान, इकरार खान, मशर्रत शेख आदि उपस्थित थे।

भीकनगांव में आनंद सभा कार्यक्रम का आयोजन

भीकनगांव , निप्र। राज्य आनंद संस्थान द्वारा 12 फरवरी शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल भीकनगाव में कक्षा नौवीं की छात्राओं के बीच आनंद सभा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला समन्वयक के.बी. मंसारे ने आनंद संस्थान का परिचय दिया। सत्र की शुरुआत में स्वयं के आनंद, तनावमुक्त जीवन जीने तथा सकारात्मक सोच से कार्य करने की विधियों से छात्राओं को परिचित कराया गया। साथ ही छात्राओं को जीवन को आनंदमय जीने के लिए लक्ष्य तय करने, तनावमुक्त होकर पढ़ाई करने की विभिन्न विधाएं बताई गई। इस दौरान अल्प विराम व आनंद सभा की जानकारी दी गई। शांत समय से स्वयं अनुभव कराया गया। तीस सेकंड की ताली बजाने वाली मनोरंजक गतिविधि से छात्राओं ने महसूस किया कि उनकी क्षमताएं बहुत हैं। उन्होंने अभी से लक्ष्य तय करने का संकल्प लिया। इस दौरान बताया गया कि मानव में अहं, नफरत, लालच, बुराई, जलन, भ्रष्टाचार तथा क्रोध जैसे भावों से जीवन

तनावमय रहता है, जबकि खुद का खुद से संपर्क करने तथा छोटी-छोटी निस्वार्थ मदद से आनंद प्राप्त होता है, यही जीवन का आनंद है। इस अवसर पर छात्राओं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसा सत्र

एक नजर में — दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन, 40 से अधिक शोध पत्र शामिल

लैंगिक असमानता को दूर करने की पहल अपने घर से शुरू करें : डॉ मल्होत्रा

नवभारत न्यूज

मंडलेश्वर, निप्र। आचार्य मंडन मिश्र शासकीय महाविद्यालय मंडलेश्वर में दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का समापन विद्वानों के व्याख्यान और शोध छात्रों के पेपर प्रेजेंटेशन के साथ सम्पन्न हुआ ।मुख्य वक्ता डॉ संदीप मल्होत्रा ने तकनीकी सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि लैंगिक असमानता को दूर करने की पहल अपने घर से शुरू करे ।संविधान कितना भी मजबूत हो कितने ही कड़े कानून बन जाए तब भी कोई परिवर्तन नहीं आ सकता जब तक हम अपनी मानसिकता को नहीं बदलेंगे तब तक बदलाव नहीं आ सकता लैंगिक असमानता को दूर करने के की शुरुआत अपने घर से ही करे ।अपने बच्चों के साथ समानता का व्यवहार करे ।अपने बच्चों के दोस्त बने उन्हें उड़ने दे उन्हें स्वतंत्रता दे लेकिन उनकी मॉनिटरिंग भी करे इतनी छूट भी न दे कि वे भटक जाएं ।पी जी कॉलेज खरगोन के प्राचार्य डॉ जी एस चौहान ने कहा कि भारतीय समाज की मजबूत परम्पराओं को तोड़ने का काम ब्रिटिश काल में हुआ हमारी समृद्ध संस्कृति का आधार हमारी शिक्षा व्यवस्था थी उसे ध्वस्त कर अंग्रेजों ने भारतीय

समाज और संस्कृति को कमजोर किया है ।शासकीय महाविद्यालय महू की सहायक प्राध्यापक डॉ अनिता सोलंकी कनास ने कहा कि प्राचीन भारत में नर नारी एक साथ चलते थे किसी तरह का भेदभाव नहीं था बीच में ऐसा क्या हुआ को स्त्री पिछड़ गई उन कारणों पर बात होना चाहिए। डॉ शिवेन्द्र शर्मा ने लैंगिक समानता के लिए सार्थक प्रयास करने की बात कही ।संस्था के प्राचार्य डॉ एम एस चौहान ने स्वागत भाषण दिया कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ प्रवीर पाण्डेय ने किया आभार प्रो निहारिका कुशवाह ने माना।

पी एच डी स्कॉलर और पी जी स्टूडेंट्स ने भी शोध पत्र पढ़े:- दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में सुदूर क्षेत्रों से शोधार्थी और प्राध्यापक पहुंचे। सेमिनार के संयोजन डॉ ओ एस परिहार ने बताया कि दो दिनों में कुल 240 शोध छात्रों विभिन्न शासकीय निजी कॉलेजों के फैकल्टी मेंबर्स ने सेमिनार में भागीदारी की और इसमें कुल 55 शोध पत्र प्रकाशन हेतु प्राप्त हुए। 26 शोधार्थियों ने अपने शोध पत्र पढ़े इनमें प्रो मीनू कुशवाह राजश्री एक्कल प्रो सोनालिका चौहान प्रो अनिता विष्णु पाटीदार प्रो राधा पाटीदार प्रो माया पाटीदार प्रो शिवानी शर्मा प्रो आरती शर्मा प्रो गजेन्द्र अहिरवार शामिल रहे ।एम ए अंग्रेजी की छात्रा और तीन बार नेशनल खेलने वाली प्रतिभावान खिलाड़ी वैष्णवी वर्मा ने अपना शोध पत्र - 'खेलो में लैंगिक असमानता महिला खिलाड़ियों के अनुभव ' पढ़ा। अर्थशास्त्र की छात्रा वंदना सिटोले ने प्रो चेतना सिद्धड के मार्गदर्शन में देवी अहिल्या बाई के आर्थिक योगदान पर शोध पत्र पढ़ा। लेखक समाजशास्त्री दुर्गेश राजदीप ने प्राचीन भारत में महिष्मति क्षेत्र की लैंगिक समानता और शिक्षा के अधिकार पर अपना शोध पत्र पढ़ा।